संख्या-875/2017/2467/22-2-2017-17(80)/2009

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 **लखनऊ दिनांक 14 नवम्बर, 2017**

विषयः- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी नेवा उर्फ मेवा पुत्र श्री मोती, निवासी जनपद-ललितपुर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-33899/प्रोबेशन-3(एम-14.09.2017) दिनांक 18.09.2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र दिनांक 18.09.2017 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी नेवा उर्फ मेवा पुत्र श्री मोती, निवासी ग्राम-बिरधा, थाना-तालबेहट, जनपद-ललितपुर का रहने वाला है। बन्दी ने पुरानी जमीनी रंजिश के कारण दिनांक 26.08.1986 को अपने 08 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर गांव के पन्नालाल तथा प्रकाश साहू नामक व्यक्ति के साथ मारपीट की, जिससे पन्नालाल तथा प्रकाश साहू नामक व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-09/1987 में भा0द0वि0 की धारा-147, 307/149, 302/149, 323/149 के अन्तर्गत मा0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, ललितपुर के आदेश दिनांक 31.05.1988 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे, मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 23.12.1988 द्वारा यथावत् रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 18.08.2017 तक 30 वर्ष 01 माह 06 दिन की अपरिहार एवं 54 वर्ष 08 माह 23 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है तथा आयु-56 वर्ष है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, ललितपुर ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड ने अपनी आख्या में उल्लेख किया है कि बन्दी ने पुरानी जमीनी रंजिश के कारण दिनांक 26.08.1986 को अपने 08 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर गांव के पन्नालाल तथा प्रकाश साहू नामक व्यक्ति के साथ मारपीट कर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी की आयु-56 वर्ष लगभग है। बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की पुष्टि जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी नेवा उर्फ मेवा पुत्र श्री मोती को फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी नेवा उर्फ मेवा (बन्दी संख्या-16621) पुत्र श्री मोती, निवासी जनपद-ललितपुर के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-875/2017/2467(1)/22-2-2017, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद-ललितपुर।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।

3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कागारार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-875/2017/2467@22-2-2017-17(80)/2009

दिनांक 14 नवम्बर, 2017 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध बन्दी नेवा उर्फ मेवा (बन्दी संख्या-16621) पुत्र श्री मोती, निवासी ग्राम-बिरधा, थाना-तालबेहट, जनपद-ललितपुर का रहने वाला है। बन्दी ने पुरानी जमीनी रंजिश के कारण दिनांक 26.08.1986 को अपने 08 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर गांव के पन्नालाल तथा प्रकाश साहू नामक व्यक्ति के साथ मारपीट की, जिससे पन्नालाल तथा प्रकाश साहू नामक व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-09/1987 में भा0द0वि0 की धारा-147, 307/149, 302/149, 323/149 के अन्तर्गत मा0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, ललितपुर के आदेश दिनांक 31.05.1988 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे, मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 23.12.1988 द्वारा यथावत् रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 18.08.2017 तक 30 वर्ष 01 माह 06 दिन की अपरिहार एवं 54 वर्ष 08 माह 23 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है तथा आयु-56 वर्ष है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, ललितपुर ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड ने अपनी आख्या में उल्लेख किया है कि बन्दी ने पुरानी जमीनी रंजिश के कारण दिनांक 26.08.1986 को अपने 08 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर गांव के पन्नालाल तथा प्रकाश साहू नामक व्यक्ति के साथ मारपीट कर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी की आयु-56 वर्ष लगभग है। बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की पुष्टि जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी नेवा उर्फ मेवा पुत्र श्री मोती को फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई **अस्वीकार** किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।